धर्म भारती भाग - 1 के चित्र

बोलो भैया पहले एक
प्रभु चरणों में मस्तक टेक।

बोलो भैया अब तुम दो
जिनवाणी की जय जय हो।

बोलो भैया अब तुम तीन
रत्नत्रय में साधु लीन।

बोलो भैया अब तुम चार
मंगल उत्तम शरण विचार।

बोलो भैया अब तुम पाँच
पापों को न आवे आँच।

बोलो भैया अब तुम छह
श्रावक के कर्तव्य हैं यह।

बोलो भैया अब तुम सात
व्यसन छोड़ दो जल्दी भ्रात।

बोलो भैया अब तुम आठ
मूल गुणों का पढ़लो पाठ।

बोले भैया अब तुम नौ
नव देवता को सदा नमों।

बोलो भैया अब तुम दस
दस लक्षण है मोक्ष की बस।

अ

आ

उ

35

क्ष

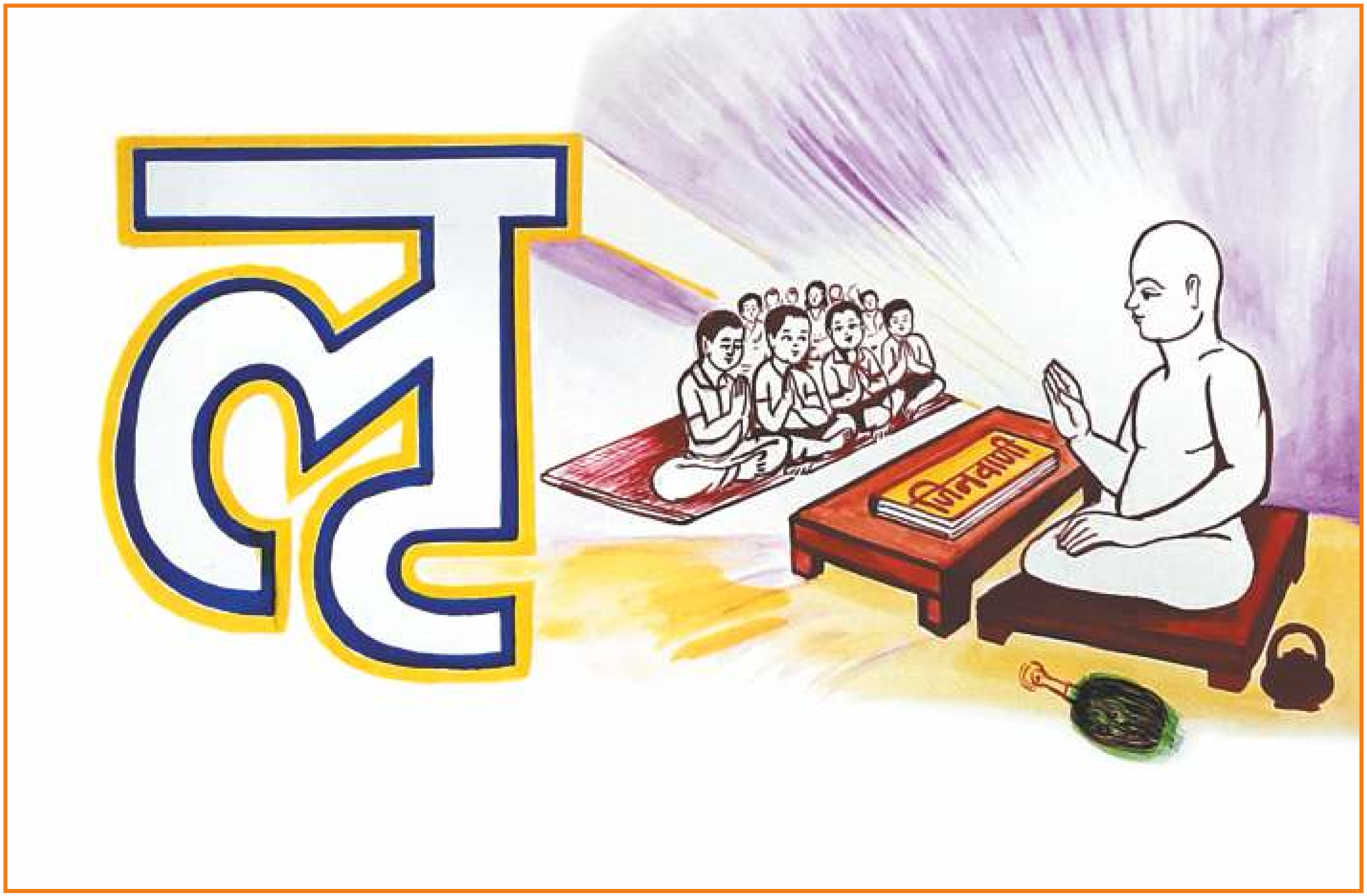
त
जिनवाणी

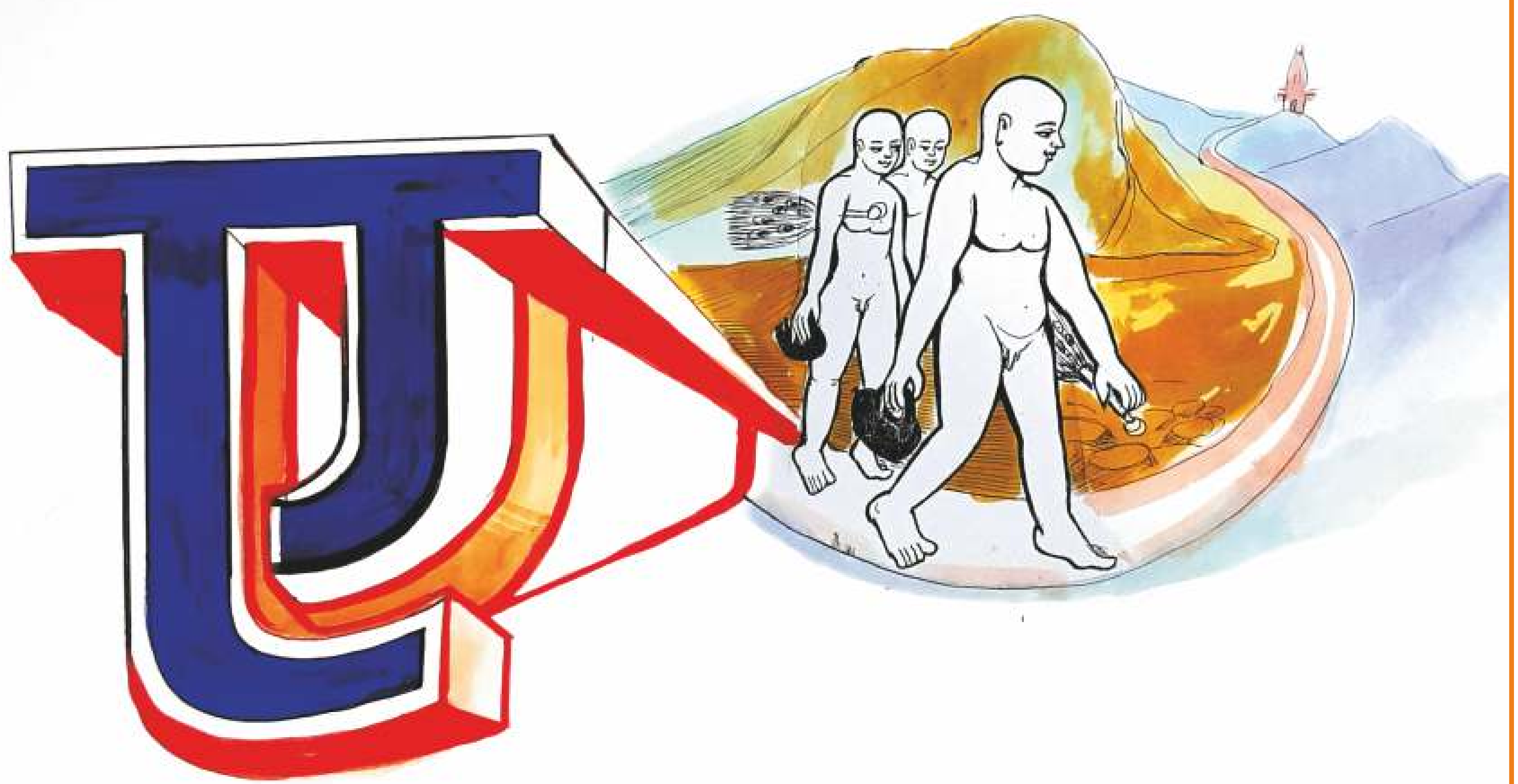

ओ
ॐ

औ
चोरी
जुआ
शराब

अं

अः

क

ख

ग
गीत

घ

ङ

च

छ

ज
जय जिनेन्द्र
जीयो और जीने दो
जैन धर्म की जय जयकार
अहिंसा परमोधर्म

झ
झूठ कभी नहीं
झ

ञ

ट

ठ

ड

ढ
अक्षर ज्ञान
धर्म भारती
धर्म भारती

ण
अरहंतों को नमस्कार
सिद्धों को नमस्कार
आचार्यों को नमस्कार
उपाध्यायों को नमस्कार
साधुजनों को नमस्कार
णमो
णमो
णमो
णमो
णमो
ॐ

त

थ
मत काटो

द

ध

न

प

फ

ब

भ

म
जीओ और जीने दो
अहिंसा परमो धर्म

य

र
र..... र.....
रात में नहीं

ल
छोड़ो... लोभ, लालच

व

श

ष

स

ह
बच्चों की
धर्म भारती
पाठशाला
संस्कार के बीज

क्ष
हमें क्षमा करदो।
तुम्हें क्षमा
तुम्हें भी क्षमा

त्र

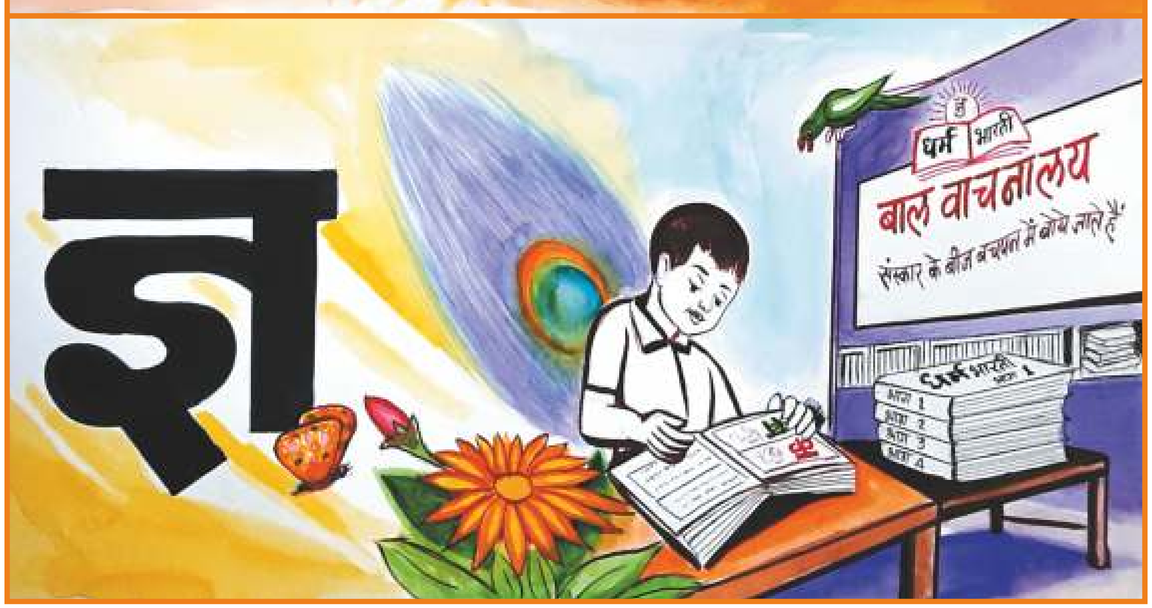
ज्ञ
धर्म भारती
बाल वाचनालय
संस्कार के बीज बचपन में बोये जाते हैं

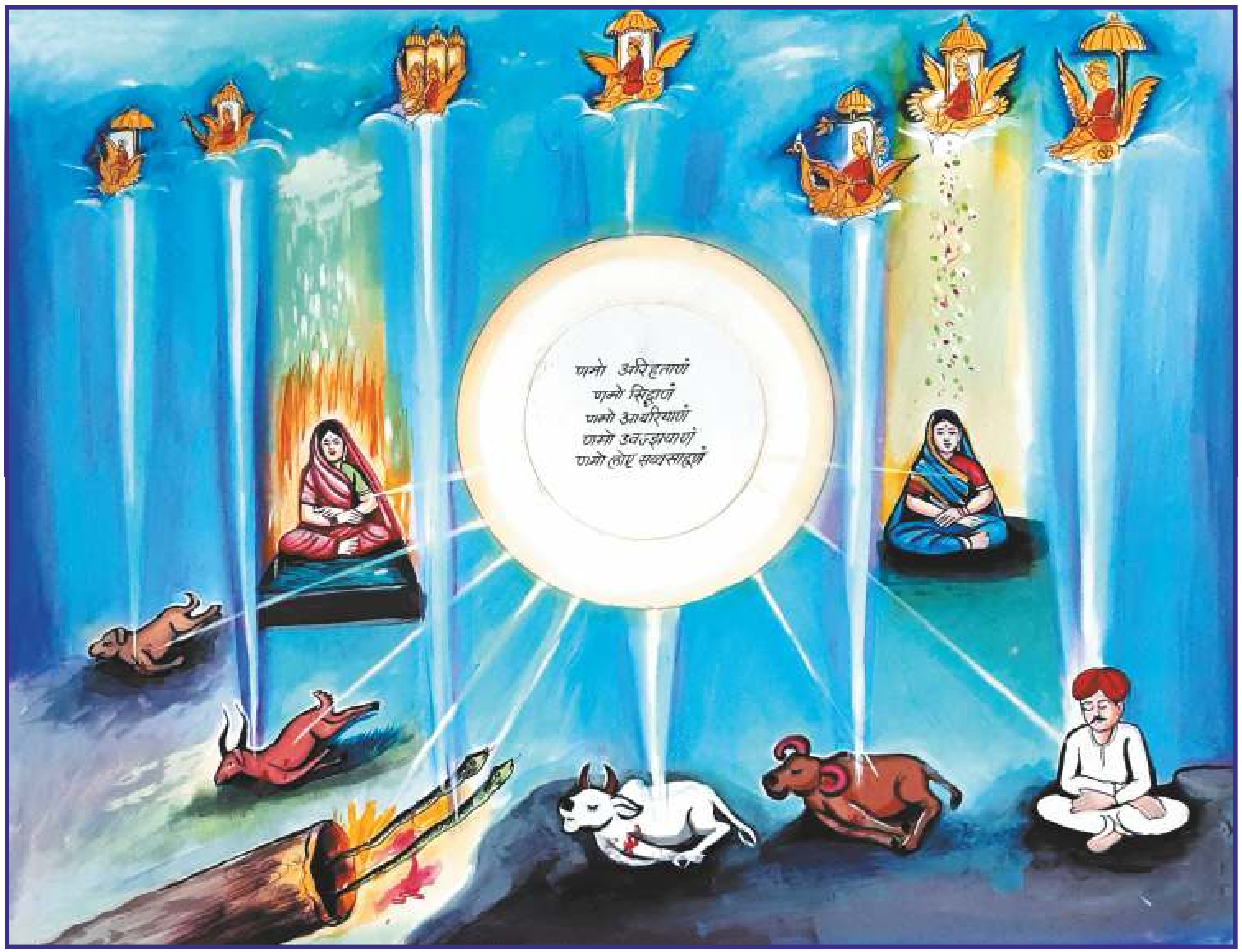
णमो अरिहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्वसाहूणं